68 हजार से अधिक तीर्थयात्री चारधाम में फंसे

बदरी-केदार रूट में 25-25 हजार, गंगोत्री में 10 और यमुनोत्री में फंसे 8 हजार लोग

गढ़वाल। चार धामों की यात्रा पर आए 68 हजार से अधिक तीर्थयात्री सड़क संपर्क भंग होने से बीच में अलग-अलग रूटों में फंसे हैं। प्रशासन भी यात्रियों को सुरक्षित नहीं निकाल सका है। केदारनाथ और बदरीनाथ धाम में करीब 25-25 हजार तीर्थयात्री फंसे हैं। 10 हजार यात्री गंगोत्री और आठ हजार लोग यमुनोत्री रूट में अटके हैं। टिहरी और मसूरी मार्ग में जगह-जगह सैकड़ों यात्री फंसे हैं।

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा मार्ग में तीनों ओर पानी भर जाने से बाबा के दर्शन को आए करीब 25 हजार यात्री रुद्रप्रयाग से केदारनाथ के बीच में फंसे हुए हैं। केदारनाथ में एक हजार और गौरी गांव में करीब 2000 लोग फंसे हुए हैं। 35 लोग मुडकटिया में फंसे हैं।

गोपेश्वर। बदरीनाथ हाईवे जगह-जगह बह जाने से बदरीनाथ से गोविंदघाट तक 25 हजार तीर्थयात्री फंसे हैं। बदरीनाथ हाईवे पर पातालगंगा में सात सिख तीर्थयात्रियों में से पांच को सुरक्षित निकाल दिया है, जबकि दो मलबे में फंसे हैं। गोविंदघाट में हरी कृष्णा हेली कंपनी का हेलीकॉप्टर अलकनंदा में बह गया। 25 वाहन और 150 मोटर साइकिल बह गए हैं। गोविंदघाट से एक किमी की दूरी पर पांच हजार से अधिक तीर्थयात्री फंसे हैं। आईटीबीपी के जवान रेस्क्यू को रवाना हो गए हैं। जिला आपदा अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि गोविंदघाट में पैदल पुल बहने से रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। आपदा टीम और आईटीबीपी की टीमें फंसे तीर्थयात्रियों और लोगों को निकालने में लगी है।

उत्तरकाशी। जिले के गंगोत्री मार्ग में चिन्यालीसौड़, धरासू, डुंडा, उत्तरकाशी, गंगोरी, गणेशपुर, नेताला, मनेरी, भटवाड़ी, हर्षिल और गंगोत्री में दस हजार से अधिक यात्री फंसे हैं। जबकि यमुनोत्री मार्ग के डामटा, नौगांव, बड़कोट, रानागीठ, जानकीचट्टी सहित यात्रा मार्गों पर पांच से आठ हजार यात्री फंसे हैं। कई स्थानों पर होटलों में रहने की जगह न होने से यात्रियों को वाहनों में ही रात गुजारनी पड़ रही है। टिहरी जिले के कंडीसौड़ और कमांद में सैकड़ों यात्री फंसे हैं। होटलों में ठहरने की व्यवस्था न होने से यात्रियों को वाहनों में ही रात बितानी पड़ी। चंबा-मसूरी मोटर मार्ग, दिल्ली-यमुनोत्री मोटर मार्ग यातायात के लिए अलग-अलग स्थानों पर बंद होने से जगह-जगह सैकड़ों यात्री फंसे पड़े हुए है। चंबा-धरासू मोटर मार्ग के सुमनक्यारी में सड़क बंद होने से फंसे 50-55 यात्रियों की रहने-खाने की सुविधा की गई है।

हेलीकॉप्टर को गौरीकुंड-रामबाड़ा में दिखा पानी

रुद्रप्रयाग। बरसात थमने पर सोमवार की शाम फाटा से रामबाड़ा के लिए चॉपर ने उड़ान भरी। चॉपर के हवाई सर्वे में गौरीकुंड और रामबाड़ा में हुई तबाही का मंजर साफ नजर आया। दोनों कस्बों में मकान नजर नहीं आए। बस नदी का तेज पानी ही बहता दिखाई दिया। देर शाम जंगलचट्टी से पुलिस के दो सिपाही किसी प्रकार गौरीकुंड पहुंचे, उन्होंने रुद्रप्रयाग प्रशासन को सूचना दी जंगलचट्टी में 1200 लोग जंगल में शरण लिए हुए हैं।

चमोली में सोमवार को बदरीनाथ हाईवे पर क्षेत्रपाल में नदी के बहाव से क्षतिग्रस्त हुआ आवासीय भवन।

पातालगंगा में फंसे पांच तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाला

श्रीनगर के भक्तियाना में इंडियन ऑयल डिपो में भरा पानी, जिससे डिपो के साथ ही दो टैंकर भी डूब गए।

टिहरी जिले में पांच लोगों की हुई मौत

अमर उजाला ब्यूरो

लंबगांव/नैनबाग (टिहरी)। बारिश के कहर से गढ़गांव में आवासी मकान टूटने से दादी और दो पोतियां घर के अंदर ही जिंदा दफन हो गई। वहीं जौनपुर प्रखंड के द्वारगढ़ गांव में भी एक बालक भी मकान के मलबे में दफन हो गया।

सोमवार दिन में शूरवीर लाल की मां बुराशी देवी (65), पुत्री संतोषी (14) और लड़की की बेटी अंकिता (7) घर के अंदर सो रहे थे। शाम तीन बजे घर के पीछे खेत का मलबा मकान के ऊपर आ गिरा। जिससे मकान टूटकर नीचे जा गिरा। परिवार के अन्य सदस्य घर के निचले कमरे में बैठे हुए थे। आवाज सुनकर बाहर निकले तो दृश्य देखकर दंग रह गए। सूचना पर राजस्व निरीक्षक मोहन लाल व बालकराम आर्य मौके पर पहुंचे।

उत्तरकाशी में सिर पर पत्थर लगने से महिला का निधन

मलबा साफ करने के एक घंटे बाद तीनों शवों को बाहर निकाला गया।

जौनपुर प्रखंड के द्वारगढ़ गांव में एक भवन ढहने से 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई है। थत्यूड में सुरेंद्र असवाल का भवन और दुकान अगलाड नदी में बह गया है। द्वारगढ़ गांव के किशन सिंह पंवार के घर के पीछे से मलबा गिर गया। सुबह चार बजे उस वक्त सभी लोग सो रहे थे। मलबा गिरने की आवाज सुनकर उनके दो बेटे, पत्नी और मां उठ बाहर आ गए। लेकिन बड़ा बेटा मुनेश जब तक बाहर निकलता, मकान टूटकर उसके ऊपर जा गिरा। जिससे उसकी मौत हो गई। उधर उत्तरकाशी जिले के हर्षिल में गीता बेन पत्नी अशोक निवासी बडौदा गुजरात के सिर पर पत्थर लगने से मौत हो गई।

नौगांव में फंसे हैं शहरी विकास मंत्री

उत्तरकाशी। यमुना घाटी के भ्रमण पर पहुंचे शहरी विकास मंत्री प्रीतम सिंह पंवार नौगांव क्षेत्र में दो दिनों से फंसे हैं। उन्होंने डीएम और अन्य अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। कहा कि क्षेत्र की स्थितियों से सीएम को अवगत करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि वह खुद राहत और बचाव कार्यों पर नजर रखे हैं।

हरभजन परिवार संग जोशीमठ में

गोपेश्वर। भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह और उनका परिवार भारी बारिश के चलते जोशीमठ में फंस गया है। सोमवार को भी हरभजन आईटीबीपी के रेस्ट हाउस में रहे। भारी बारिश के चलते वे हेमकुंड साहिब की तीर्थयात्रा पर नहीं जा पाए। गोविंदघाट में हेमकुंड साहिब को जोड़ने वाला पैदल पुल बह जाने से अब हरभजन का हेमकुंड साहिब जाने के आसार कम हो गए हैं। हरभजन सोमवार को सेना के अधिकारियों से आपदा की पल-पल की जानकारी लेते रहे। आर्मी कैंपस के कुछ लोगों ने बताया कि हरभजन पसोपेश की स्थिति में हैं। वे प्रशासन के अधिकारियों से भी नहीं मिल रहे हैं।

चालक की मौत

देवप्रयाग। रविवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर मूल्यागांव के समीप पत्थर लगने से घायल चालक की सोमवार शाम पांच बजे मौत हो गई। रविवार देर रात को 35 वर्षीय सुरेंद्र सिंह (पुत्र मुरली सिंह निवासी पलेठी आमड़ी) को मूल्यागांव के पास पत्थर लगा था।

धर्मशालाओं में रुकेंगे यात्री

श्रीनगर। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने मंदिर समिति की सभी धर्मशालाओं में यात्रियों को निशुल्क ठहराने के आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने यात्रियों को भोजन मुहैया करवाने के लिए भी एसडीएम को निर्देशित किया है।

केदारनाथ में फंसा उन्नाव का यात्री दल

देहरादून। उन्नाव जिले से केदारनाथ धाम की यात्रा पर आया बीस तीर्थयात्रियों का दल सीतापुर में फंसा है। लखनऊ से श्री धीरेंद्र कुमार शुक्ला ने अमर उजाला दफ्तर में फोन कर इन तीर्थयात्रियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया यह दल उन्नाव जिले के कल्याणीनगर मोहल्ले से यात्रा पर गया। एक दिन पहले यात्री केदार के दर्शन करने के बाद सीतापुर गांप स्थित एक होटल में रुके थे, आज सुबह होटल में कंपन होने पर उन्हें होटल छोड़ना पड़ा। उन्होंने प्रशासन से यात्रियों की सुरक्षा के साथ खाने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। ब्यूरो

53 सड़कों पर यातायात बंद

पौड़ी। भारी बरसात से पौड़ी क्षेत्र में 53 सड़कों पर यातायात प्रभावित हो गया है। लोगों का अपने गंतव्य तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों का मुख्यधारा से संपर्क कट गया है। पौड़ी-देवप्रयाग, सिरालाखाल-कुंडाधार, पौड़ी-कांसखेत-सतपुली, पौड़ी डांडा नागराजा मोटर मार्ग समेत 53 सड़कें मलबा आने से बंद हैं। अलकनंदा का जलस्तर बढ़ने से श्रीनगर पौड़ी पेयजल पंपिंग योजना के 10 पंप पानी में डूब गए हैं। इससे मुख्यालय में पीने के पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। कोट क्षेत्र में दो आवासीय भवनों के क्षतिग्रस्त होने तथा चार भवनों पर आंशिक क्षति की सूचना है। आपदा से निपटने को डीएम चंद्रेश यादव ने संबंधित विभागों को अलर्ट जारी कर दिया है।

बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त

श्रीनगर। रविवार देर रात अचानक बढ़े अलकनंदा के जलस्तर को शहर के लोग दैवीय आपदा से जोड़ रहे हैं। क्षेत्र के अधिकतर लोग कह रहे हैं कि प्रकृति का ये प्रकोप धारी देवी मंदिर से छेड़छाड़ का नतीजा है। वजीरों का बाग निवासी वेद प्रकाश काला, एसएन कोठियाल आदि का कहना है कि देवी को जबर्दस्ती उनके स्थान से हटाया गया है। उनके प्रकोप के कारण ही अलकनंदा रौद्र रूप दिखा रही है। लोगों का मानना है कि देवी की पूजा-अर्चना से ही प्रकृति शांत होगी और तभी इस प्रलयकालीन स्थिति से बचा जा सकता है।

पुलना में बादल फटा 40 परिवार हुए बेघर

ग्रामीणों ने सुरक्षित स्थान पर लगाए त्रिपाल के टेंट

अमर उजाला ब्यूरो

गोपेश्वर। हेमकुंड साहिब के समीप पुलना गांव में शाम करीब साढ़े पांच बजे भारी बारिश से बादल फट गया, जिससे गांव में रह रहे 40 परिवार गांव छोड़कर पांच सौ मीटर दूर सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं। यहां पर ग्रामीणों ने स्वयं ही त्रिपाल के टेंट लगाकर रहने की जगह बनाई है। वहीं गोविंदघाट में मुख्य पुल टूटने से प्रशासन ग्रामीणों तक राहत सामग्री भी नहीं पहुंचा पा रहा है।

पुलना गांव में बादल फटने से जहां कई ग्रामीणों के घरों में पानी घुस गया है, वहीं कई के भवन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। गांव में करीब 40 परिवार रहते हैं, जो अब बेघर हो गए हैं। ग्रामीण गांव से 500 सौ मीटर दूर सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं। वहीं प्रशासन का कहना है कि गोविंदघाट में मुख्य पुल टूटने की वजह से ग्रामीणों की कोई मदद नहीं दी जा सकती है। जल्द गांव तक जाने की व्यवस्था की जाएगी।

टिहरी में कई सड़कें बंद, कमांद में पुल बहा

अमर उजाला ब्यूरो

नई टिहरी। बारिश के कारण जगह-जगह हुए भूस्खलन से सोमवार को नई टिहरी-घनसाली, श्रीनगर, लंबगांव, चंबा-धरासू और देवप्रयाग सहित कई ब्रांच मोटर मार्गों पर यातायात बंद रहा। जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। घनसाली- बूढाकेदार मोटर मार्ग पर घनसाली में पुल के खतरे की जद में आने से सुरक्षा के लिहाज से उस पर आवाजाही बंद कर दी गई है। जिला प्रशासन से मुख्य मार्गों को प्राथमिकता से खोलने के निर्देश दिए हैं। चंबा-ऋषिकेश मार्ग भी तड़के बंद हो गया था, जिस पर डेढ़ घंटे बाद यातायात चालू हो पाया।

जलकुर नदी के ऊफान पर होने से पिपलोगी गांव को जोड़ने वाला पैदल पुल बह गया है। पोखरी गांव के 10 घरों के अंदर पानी घुस गया है। उत्तरकाशी-लंबगांव, लंबगांव-पीपलडाली, घनसाली-लंबगांव मार्ग यातायात के लिए बंद हो गए। लंबगांव-घनसाली मार्ग केमुंडाखाल में 200मीटर बह गया है। चंबा-धरासू राष्ट्रीय राजमार्ग पर कमांद में मोटर पुल बह गया है। कोटीगाड में भी सड़क

क्षतिग्रस्त हो गई है। सेंदुल में घनसाली-सुनहरीगाड मार्ग का एक हिस्सा ढह गया है। जिससे ढुंगमंदार पट्टी के दो दर्जन गांवों का तहसील मुख्यालय से संपर्क कट गया है। कंडोगी गदेरे पर बने मोटर पुल सहित क्षेत्र के दर्जनों पैदल पुल, सिंचाई नहरें, पेयजल योजनाएं और संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए है।